Thirteenth Loksabha

Session : 3
Date : 03-05-2000
Participants : Chatterjee Shri Somnath ,Bandyopadhyay Shri Sudip ,Pramod Mahajan Shri ,Singh Dr. Raghuvansh Prasad ,Verma Dr. Sahib Singh ,Tiwari Shri Lal Bihari

Title: Regarding demolition of unauthorised constructions and jhuggi-jhoparies without any reasonable notice by Government agencies.

डा. रघवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष महोदय, कल की ही घटना है, जिससे पता चलता है कि दिल्ली में कोई हुकूमत नहीं, नादिरशाही चल रही है। बटुकेश्वर दत्त कालोनी में बिना कोई सूचना दिए बुलडोजर चला कर गरीबों के मकान ढहा दिए गए। यह काम बार-बार कभी एम.सी.डी. की ओर से, कभी एन.डी.एम.सी. की ओर से, कभी डी.डी.ए. और रेलवे की ओर से होता रहता है। दिल्ली में लाखों लोग झुग्गियों में बसे हुए हैं, उनको उजाड़ा जा रहा है। जब पूर्व प्रधान मंत्री श्री वी.पी. सिंह बुलडोजर के सामने खड़े हो गए, उसके बाद भी वे नही माने और कहा कि हम फिर यह काम करेंगे। इस तरह से यह धांधली हो रही है। इस सम्बन्ध में चार भूतपूर्व प्रधान मंत्री प्रधान मंत्री जी से मिले थे।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दिग्विजय सिंह) : एक भूतपूर्व प्रधान मंत्री यहां बैठे हुए हैं, वे नहीं थे।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : आप कौन होते हैं बीच में बोलने वाले... (व्यवधान) गरीबों के घर उजाड़ने का काम हो रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय : भारत सरकार क्या करना चाहती है, वह पूछें।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : चार-चार भूतपूर्व प्रधान मंत्री प्रधान मंत्री जी से मिले थे। उनको कहा गया कि यह नीति वियक मामला है इसलिए किसी भी हालत में वैकल्पिक प्रबंध के बिना गरीबों के घर नहीं ढहाए जाएं।... (व्यवधान) मैं खुद खुरैंजी गया था। इसी तरह वजीरपुर आदि विभिन्न मोहल्लों में बराबर ये घटनाएं घट रही हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : आपने जो कहना था, वह कह दिया, अब बैठ जाएं।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : मैं दरख्वास्त करना चाहता हूं कि जब तक वैकल्पिक प्रबंध नहीं हो जाए, तब तक गरीबों के घरों को न ढहाया जाए।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, so far as we are concerned, we are not saying that all illegal encroachments will have to be protected. We are not saying that. A notice was given to these poor people in 1997 that they would be removed, but nothing was done for three years. What was being requested is that at least some reasonable notice may be given to them so that they can remove their belongings. Their residences are there and sometimes some business is being carried on. Please give them a minimum opportunity. ... (*Interruptions*)

Secondly, the police should not take up such an action. Some taunting remarks have been made against the young girls. When it was asked as to where these girls will go, they said, "send them to the police station." These types of remarks have been made which create provocation.

Therefore, let it be done in as humane a manner as possible. A proper notice should be given to them and they should be treated as human beings. There are many colonies, which have been treated as illegal. But let there be a proper investigation as to whether they are illegal or not. Therefore, we were asking only for a humane treatment to all these people who were served notices. ... (*Interruptions*)

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्वी दिल्ली) : मैंने इसी से संबंधित नोटिस दिया हुआ है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपको अभी बुलाऊंगा।

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, what is this?

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Athawale, please resume your seat. Shri Sudip Bandyopadhyay wants to speak on the same subject.

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Bandyopadhyay says.

*(Interruptions)**

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, on the issue of what Shri Somnath Chatterjee has said, I am happy that good sense has ultimately prevailed in the city of Calcutta where hawkers were bulldozed without notice.... (*Interruptions*) Thousands of hawkers were removed from the streets without any notice. They were ruthlessly beaten up by hundreds of policemen. A few of them have even starved to death. They are now passing their days in very pathetic conditions. So, wherever they have to be removed, proper notices must be issued.

***Not Recorded.**

श्री साहिब सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि दिल्ली के अंदर यह बहुत गंभीर समस्या है और इस गंभीर समस्या के बारे में कोई भी स्पट नीतिगत निर्णय जिसे सख्ती से लागू किया जाये, ऐसा कुछ नहीं है। जहां इच्छा होती है, वहां डी.डी.ए. जाकर डिमोलिशन कर देते हैं और कहीं-कही तो दस-दस मंजिल की बिल्डिग बन रही है, वहां जाकर कोई झांकता तक नही है। गरीबों की बस्तियों को जाकर उजाड़ देते हैं। इसके बारे में अर्बन रूरल डवलपमेट मिनिस्टर को नीतिगत निर्णय लेकर इस हाउस को अवगत कराना चहिए ताकि लोग आशवस्त हो सकें कि किसके मकान गिराये जायें किसके नही गिराये जायें।

श्री लाल बिहारी तिवारी : महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र मे झुग्गी-झोंपड़ियों से संबंधित मामले पर बात करना चाहता हूं। कल साढ़े दस बजे भयंकर अग्निकांड हुआ है और सैकड़ों झुग्गियां जलकर राख हो गई हैं। ये झुग्गियां रेलवे की जगह पर बनी हुई हैं। महोदय, पन्द्रह-बीस लाख लोग झुग्गी-झोंपडी बस्ती में रहते हैं और आये दिन आग लगने से, पिछले वर्ा भी अमर कॉलोनी में पुराने पुल पर आग लगने से 36 लोग मर गये थे। अब जैसे यमुना के पास झुग्गियां बसी हैं, बाढ़ आएगी तो उनको बाहर लाया जाएगा और लाखों रुपया राहत कार्य में लगाया जाता है। मैं सरकार से मांग करता हूं और सरकार से जानना भी चाहता हूं कि इन लोगों को अच्छा जीवन जीने के लिए क्या सरकार कोई योजना ऐसी बना रही है कि इन लोगों के लिए पक्के मकान किसी ऐसी जगह पर बनाये जायें जहां आग लगने की पुनरावृत्ति न हो और भयंकर बाढ़ के आने पर इन्हें वहां से हटाने पर जो नुकसान होता है, वह नुकसान न होने पाये ?

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : गरीब आदमी का क्या होगा ?...(व्यवधान) सरकार चुप बैठी सुन रही है। कोई नीति होनी चाहिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रघुवंश जी, आप इस संसद के बहुत पुराने मेम्बर हैं। आपने शून्यकाल में यह मैटर उठाया। क्या बार-बार वही मैटर उठाएंगे ? सरकार ने सुन लिया।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : नहीं, नहीं, आप कम्पैल नहीं कर सकते।

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now nothing will go on record.

*(Interruptions)**

***Not Recorded.**

श्री राजीव प्रताप रूड़ी (छपरा) : आप मुझे बुलवाइये। इसके बाद मैं बोलता हूं तो ये चुप हो जाएंगे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जब आपका नाम आएगा तब बुलाऊंगा। I am going according to the serial number in the list. Now I am calling Shri Ramesh Chennithala.

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : This is too much. How can I control the House?

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Nothing will go on record.

*(Interruptions)**

MR. DEPUTY-SPEAKER : Dr. Raghuvansh Prasad Singh, this is too much.

... (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठिए।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : झुग्गी-झौपड़ी में रहने वाले लाखों-लाख लोग मजदूरी करते हैं। दिल्ली को सुन्दर बनाते हैं। सरकार इन पर बुल्डोजर चलाने का काम कर रही है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप इतने सीनियर मैम्बर हैं, सरकार द्वारा कार्रवाई करने के लिए आप कम्पैल नहीं कर सकते हैं।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप किसी की नहीं सुनेंगे।

…(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : This is not the way.

… (*Interruptions*)

---

*Not Recorded.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Basu Deb Acharia, I am on my legs. Please take your seat.

SHRI RAJIV PRATAP RUDY : Sir, why is he objecting? What is this? … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Please resume your seat.

SHRI RAJIV PRATAP RUDY : Sir, there are other Members who have given notices. … (*Interruptions*) He is going out of his bounds. He should withdraw his remarks. … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Nothing will go on record now.

*(Interruptions)**

उपाध्यक्ष महोदय : आज आपको क्या हो गया है, आप अपनी सीट पर बैठिए।

…(व्यवधान)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY : Sir, he is a senior Member and sits on the Chair. If he keeps on behaving like this, we will not allow him to behave like this. … (*Interruptions*)

----------*Not Recorded.

MR. DEPUTY-SPEAKER : This is very unfortunate.

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Basu Deb Acharia, Dr. Raghuvansh Prasad Singh, both of you are on the panel of Chairmen. If you do not obey the Chair, how will you conduct the House?

… (*Interruptions*)

SHRI RAMESH CHENNITHALA (MAVELIKARA): Sir, what is happening in the House? You called me. I should be allowed to make my point. … (*Interruptions*)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY : Mr. Deputy-Speaker, Sir, you keep quiet for five minutes. Let us see what will happen. … (*Interruptions*)

SHRI RAMESH CHENNITHALA : Sir, will you allow everybody to speak like this? … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Hon. Members, I have to take action against you, if you behave like this. You should know how to run the House.

… (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आपने जो कुछ कहना था, कह दिया है। आप सरकार को रिप्लाई देने के लिए कम्पैल नहीं कर सकते हैं।

…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : शून्य-काल में, आपने जो कुछ कहना था, कह दिया है।

…(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, I will take action against you. I warn you Shri Athawale. What is this?

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)**

श्री रमेश चेन्नितला : क्या आप ही लोग बोलेंगे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : देखिए, आपके जैसे कितने लोगों ने नौ, साढ़े नौ बजे आकर नोटिस दिया। आप ऐसे हाउस का समय क्यों बर्बाद करते हैं, यह ठीक नहीं है।

…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अगर आप इसी तरह करेंगे तो मुझे आपके खिलाफ एक्शन लेना पड़ेगा। आप क्या करते हैं।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 o'clock.

12.56 hours

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

14.06 hours

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at six minutes

past Fourteen of the Clock.

(Shri P.H. Pandiyan *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN: The House shall now take up matters under Rule 377.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह(वैशाली) : सभापति महोदय, गरीब लोग जो लाखों की संख्या में दिल्ली में बसे हैं, सरकार ने उनके घरों पर बुलडोजर चलाया। मैंने लंच से पहले भी यह सवाल उठाया था लेकिन हाउस एडजर्न हो गया... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, please cooperate with the Chair. We have taken up matters under Rule 377.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : बीमार वी.पी. सिंह जी, जिन्हें डायलिसिज पर रखा जाता है, बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। सरकार ने दिल्ली के कई मोहल्लों में गरीबों के घर ढहा दिए। करबला, बी.के दत्त कालोनी और वजीर पुर में गरीब लोगों के घर ढहाए जा रहे हैं। कृपया सरकार को निर्देश दिया जाए और बुलडोजर चलाने की कार्रवाई को रोका जाए। सरकार इस सम्बन्ध में कुछ न कुछ बयान दे... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, please do not prevent another hon. Member of the House from raising his matter under Rule 377.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : मेरा यह सवाल पहले से लगा है। सरकार को इस सम्बन्ध में निर्देश दिया जाए। संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं। लाखों गरीबों के घर बुलडोजरों से ढहाए जा रहे हैं। कभी एन.डी.एम.सी, कभी एम.सी.डी. कभी डी.डी.ए. और कभी कोई सरकार गरीबों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करती है। कृपया इस बारे में सरकार को निर्देश दिया जाए। सरकार को पहले ही खड़े होकर इस पर बयान देना चाहिए था। लाखों गरीब बेघर हो रहे हैं। गरीब महिलाएं अपना कलेजा पीट-पीट कर रो रही हैं। मैं कई मोहल्लों में गया। सरकार को इस बारे में संवेदनशील होना चाहिए। आप सरकार को इस सम्बन्ध में निर्देश दें।... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I have asked, but they said that they have no answer.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह सरकार को इस बारे में यहां बयान देना चाहिए। अगर सरकार बयान नहीं देती तो आसन से निर्देश दिया जाए..... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I asked the Minister. He is not going to answer.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंहः सभापति महोगदय, लाखों-लाख गरीबों का क्या होगा? आप तो गरीबों के हिमायती हैं। आप सरकार को निर्देश दें। संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Kindly resume your seat.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : प्रधान मंत्री ने कहा था कि इस सम्बन्ध में एक नीति तैयार हो गई है। सरकार इस मामले में चुपचाप क्यों बैठी है? आप सरकार को निर्देश दें।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Dr. Raghuvansh Prasad Singh may make his submission. This is not 'Zero Hour'. But as a special case, I am allowing him now.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, हम जो सवाल उठा रहे हैं, वह लाखों-लाख गरीब लोगों के घर पर बुलडोजर चल रहा है, उसके सम्बन्ध में है। रोज दिन उनके घर ढहाये जा रहे हैं। उसमें राजा बीमार हालत में गये, तब वह रुका। गांव से गरीब आदमी यहां आकर मेहनत करते हैं। दिल्ली को बनाने का काम गरीब आदमी ने किया। 25 वर्ा, 30 वर्ा, 50 वर्ा से लोग उसमें रह रहे हैं। चार-चार पूर्व प्रधान मंत्री प्रधान मंत्री से जाकर मिले थे और प्रधान मंत्री ने आश्वासन दिया था कि एक नीति बनेगी कि जब तक वैकल्पिक प्रबन्ध नहीं होगा, तब तक बुलडोजर नहीं चलाया जायेगा, घर नहीं ढहाया जायेगा। लेकिन उसके बाद भी विभिन्न मौहल्लों में, कभी करबला में, कभी वजीरपुर में, कभी खुरेजी में, सभी जगहों पर कभी डी.एम.सी., कभी एन.डी.एम.सी., कभी डी.डी.ए., कभी रेलवे, दिल्ली में विभिन्न मालिक बने हुए हैं। सब गरीबों का घर ढहाया जा रहा है। सदन चल रहा है और लाखों गरीबों का, मेहनतकश मजदूरों के, बेघरों के घरों पर जब बुलडोजर चलेगा, उनके घर ढहाये जाएंगे तो सरकार चुप बैठी रहेगी ? सरकार किस वास्ते है, लाखों गरीबों को बेघर करने के लिए, बुलडोजर चलाने के लिए सरकार है या उनके पुनर्वास के लिए या उनको बसाने के लिए है। यह सदन किस वास्ते है और हम लोग किसलिए यहां बैठे हुए हैं। संवेदनशील सरकार को उठ खड़े होना चाहिए और वैकल्पिक प्रबन्ध तत्काल होने चाहिए और बुलडोजर चलाने की कार्रवाई रोकनी चाहिए, नहीं तो गरीब वहां कलेजा पीट रहे हैं। उनके बाल-बच्चे सड़क पर कहां रहेंगे, जब इनका घर टूट जायेगा। लाखों लोग यहां बसे हुए हैं, देहात से काम की खोज में लोग यहां आये हैं। कारखाने उनके बल पर चलते हैं, सारा कारोबार उनके बल पर चलता है। ये मेहनतकश लोग हैं, इनमें ज्यादातर शैड्यूल्ड कास्ट्स, शैड्यूल्ड ट्राइब्स के लोग हैं, वे कहां जाएंगे। लाखों लोग गरीब आदमी कहां जाएंगे, इसलिए सरकार को इस पर रैस्पोंड करना चाहिए।

श्री सुकदेव पासवान (अररिया) : इस भीाण गर्मी में लोगों को रहने के लिए जगह नहीं है, हाहाकार मच रहा है।... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : यह परम्परा अच्छी नहीं है। 10-10 मैम्बर अगर हाउस में पूरे दिन को जीरो ऑवर बना देंगे तो कैसे काम चलेगा।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये। यह सीरियस मैटर है न।

SHRI PRAMOD MAHAJAN : The Government always takes note of everything discussed in this House. The Government has also noted the particular point raised by hon. Member Raghuvansh Prasadji and his colleagues. The Government will take action which it thinks appropriate.

14.09 hours.

MATTERS UNDER RULE 377